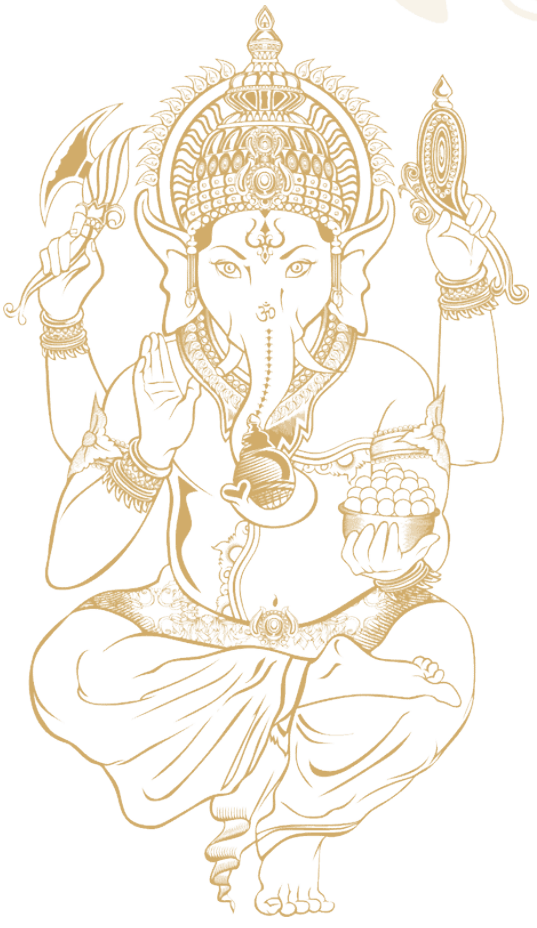

Mohit

Payal

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121350301

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121350301 Date: 21/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
09/01/1996	जन्म तिथि	16/08/1996
मंगलवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 17:35:00	जन्म समय	15:20:00 घंटे
घटी 25:13:45	जन्म समय(घटी)	23:02:08 घटी
India	देश	India
Bikaner	स्थान	Kolkata
28:01:00 उत्तर	अक्षांश	22:34:00 उत्तर
73:22:00 पूर्व	रेखांश	88:21:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:36:32	स्थानिक संस्कार	00:23:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:29:30	सूर्योदय	05:13:57
17:57:26	सूर्यास्त	18:07:16
23:48:13	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:40

मिथुन	लग्न	धनु
बुध	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
सिंह	राशि	सिंह
सूर्य	राशि-स्वामी	सूर्य
मघा	नक्षत्र	पू०फाल्गुनी
केतु	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
2	चरण	3
आयुष्मान	योग	शिव
बव	करण	कौलव
मी-मीत	जन्म नामाक्षर	टी-टीना
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
क्षत्रिय	वर्ण	क्षत्रिय
वनचर	वश्य	वनचर
मूषक	योनि	मूषक
राक्षस	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
मूषक	वर्ग	श्वान

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 4वर्ष 7मा 23दि		20:42:58	मिथु	लग्न	धनु	16:02:46	शुक्र 5वर्ष 5मा 18दि	
सूर्य		24:42:06	धनु	सूर्य	कर्क	29:59:24	राहु	
02/09/2020		04:28:43	सिंह	चंद्र	सिंह	23:01:15	03/02/2025	
03/09/2026		07:00:52	मक	मंगल	मिथु	20:33:01	04/02/2043	
सूर्य	21/12/2020	11:21:00	मक	बुध	सिंह	26:47:20	राहु	17/10/2027
चन्द्र	21/06/2021	07:35:21	धनु	गुरु व	धनु	14:31:38	गुरु	12/03/2030
मंगल	27/10/2021	29:15:10	मक	शुक्र	मिथु	14:18:39	शनि	16/01/2033
राहु	21/09/2022	26:12:56	कुंभ	शनि व	मीन	12:55:08	बुध	05/08/2035
गुरु	10/07/2023	28:01:51	कन्या व	राहु व	कन्या	14:50:41	केतु	23/08/2036
शनि	21/06/2024	28:01:51	मीन व	केतु व	मीन	14:50:41	शुक्र	24/08/2039
बुध	28/04/2025	06:02:01	मक	हर्ष व	मक	07:56:20	सूर्य	17/07/2040
केतु	02/09/2025	01:11:35	मक	नेप व	मक	01:49:00	चन्द्र	16/01/2042
शुक्र	03/09/2026	08:24:55	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	06:31:57	मंगल	04/02/2043

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:48:13 **चित्रपक्षीय अयनांश** **23:48:40**

लग्न-चलित

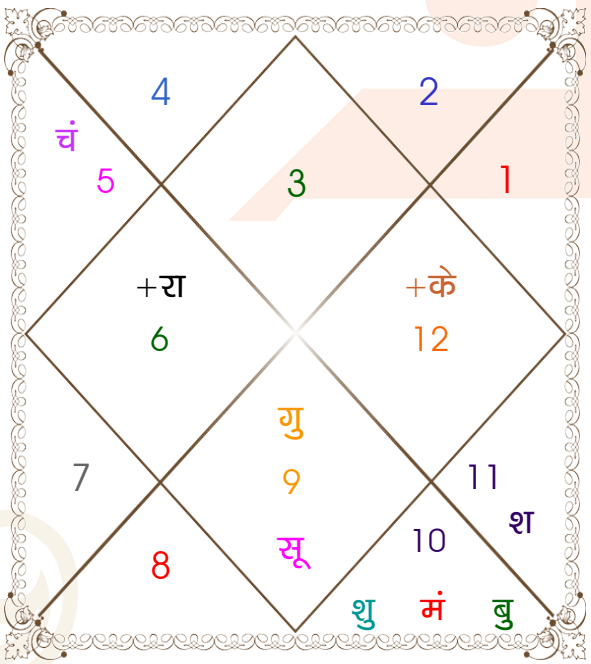

लग्न-चलित

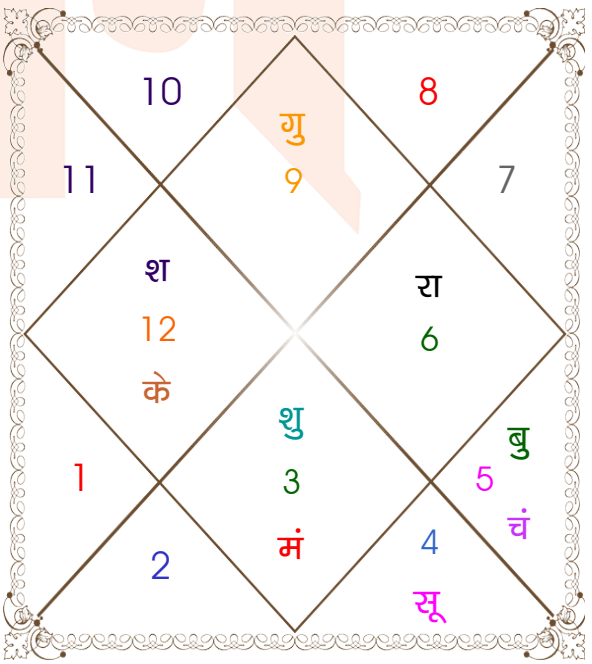

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	वनचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	मूषक	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	सिंह	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	30.00		

कुल : **30 / 36**

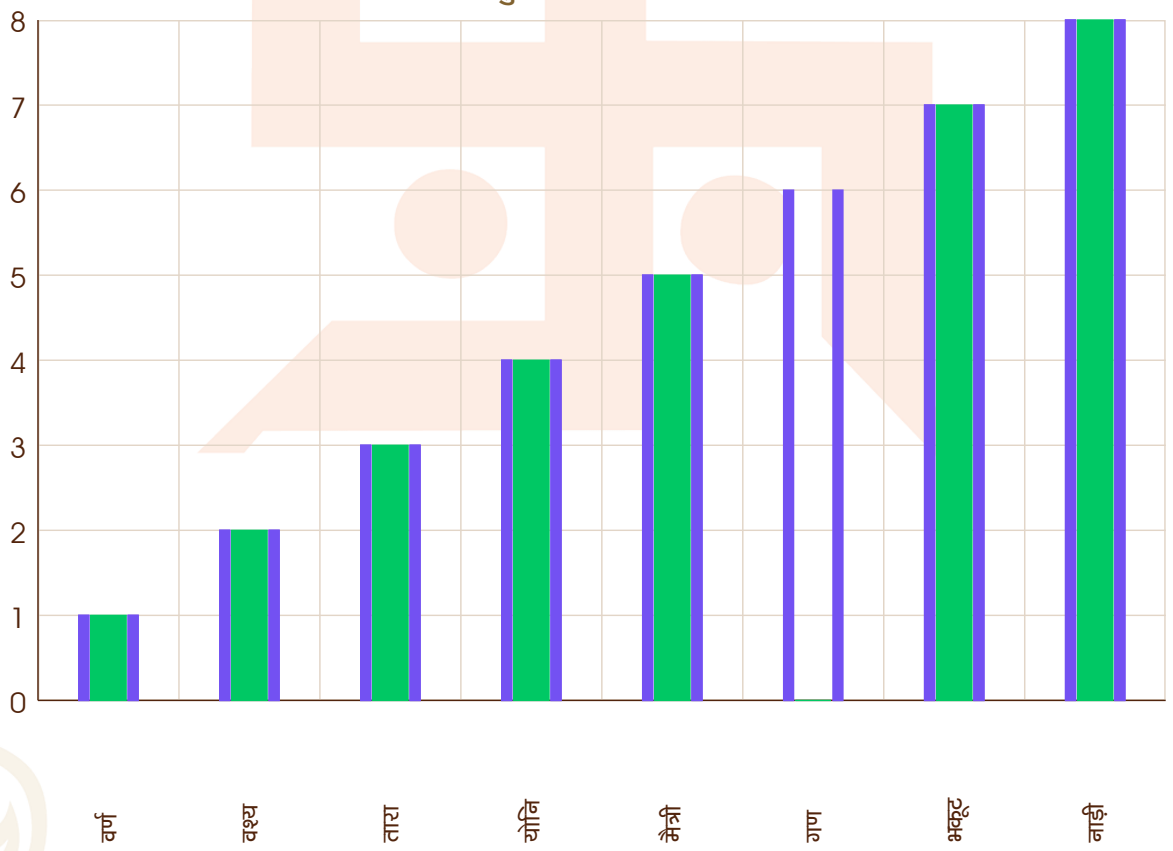

अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

Mohit का वर्ग मूषक है तथा Payal का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mohit और Payal का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mohit मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mohit कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Payal मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Payal कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mohit तथा Payal में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mohit का वर्ण क्षत्रिय तथा Payal का वर्ण भी क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों ही दम्पत्ति अति ऊर्जावान, साहसी, उद्यमी होंगे साथ ही दोनों एक-दूसरे के साथ सद्भाव एवं प्रेम से जीवन बितायेंगे। इसके अतिरिक्त समय-समय पर एक-दूसरे की सहायता से सुखी एवं समृद्ध परिवार का निर्माण करने में योगदान देते रहेंगे।

वश्य

Mohit का वश्य वनचर है एवं Payal का वश्य भी वनचर है। दोनों का वश्य समान ही है। जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। Mohit एवं Payal दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/ नापसंद एवं व्यवहार एक जैसे होंगे तथा एक-दूसरे के लिए इनमें अगाध प्रेम रहेगा। क्योंकि दोनों स्वभाव से आक्रामक होंगे इसलिये कभी-कभी इनमें परस्पर लड़ाई-झगड़े भी होता रहेगा। Mohit एवं Payal की संतान आज्ञाकारी, कर्त्तव्य परायण, बुद्धिमान एवं समाज में नाम एवं यश कमाने वाली होगी। दोनों साथी कर्त्तव्यनिष्ठ एवं जिम्मेदार प्रवृत्ति के होंगे। परिवार के सदस्यों की देख-भाल दोनों मिलकर, सहयोग के साथ करते रहेंगे।

तारा

Mohit की तारा अतिमित्र तथा Payal की तारा सम्पत है। अतः दोनों की तारा अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह विवाह वैवाहिक जीवन एवं परिवार के लिए चहुंमुखी समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। साथ ही दोनों एक-दूसरे के लिए काफी भाग्यशाली साबित होंगे। Mohit हमेशा Payal के साथ मित्रवत व्यवहार करता रहेगा तथा उसे असीम प्रेम एवं प्यार देता रहेगा। इनके बच्चे भी काफी बुद्धिमान, भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं सफल होंगे।

योनि

Mohit की योनि मूषक है तथा Payal की योनि भी मूषक है। अर्थात दोनों की योनि समान ही है। दोनों योनि के बीच परस्पर मित्रता का संबंध है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के बीच अगाध प्रेम होगा। दोनों हमेशा एक दूसरे को समय-समय पर अपना सहयोग देते रहेंगे जिससे इनका पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन अत्यंत सौहार्द्र एवं प्रेमपूर्वक बीतेगा। सोच एवं समझदारी में समानता होने के कारण परस्पर वैचारिक मतभेद नहीं रहेंगे। इस प्रकार आपसी विश्वास रहने के कारण आपका वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा। आप दोनों पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन में शांति का अनुभव करेंगे। मन में हर्षोल्लास की भावना बनी रहेगी। साथ ही परिवार में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। धन का आगमन समय-समय पर होता रहेगा। जिसके कारण आप सुखी पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन व्यतीत करेंगे। दोनों आपसी समझबूझ के साथ जीवन में आने वाली किसी भी समस्या का समधान शीघ्र ही निकाल पाने में सझम होंगे। जिसके कारण इनका पारिवारिक जीवन अत्याधिक

समृद्धिशाली रहेगा। इस प्रकार इनका वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन सुखी होगा एवं प्रगति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mohit एवं Payal दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Mohit एवं Payal दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

Mohit का गण राक्षस है तथा Payal का गण मनुष्य है। अर्थात Payal का गण Mohit के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान रहेगा। ज्योतिषीय दृष्टि से यह संबंध अधिक दिनों तक नहीं रहने वाला होगा। दोनों के वैचारिक मतभेद परिवार के सदस्यों के जीवन को अशांत बना सकते हैं। ऐसा विवाह त्याज्य है।

भकूट

Mohit एवं Payal दोनों की राशि एक समान ही है इसलिये यह अति उत्तम मिलान है। ऐसा मिलान Mohit एवं Payal तथा परिवार के चतुर्दिक विकास के मार्ग को प्रशस्त करता है। इन्हें अनेक रूपों में ईश्वरीय कृपा जैसे - सौभाग्य, सम्पत्ति, समाज में मान-सम्मान तथा योग्य संतान आदि प्राप्त होगी।

नाड़ी

Mohit की नाड़ी अन्त्य है तथा Payal की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। अन्त्य एवं मध्य नाड़ी दो महत्वपूर्ण जीवनी शक्तियों पित्त एवं कफ की कारक हैं। जिसके कारण दम्पत्ति का परस्पर प्रेम, अनुकूलता, अच्छा भविष्य, सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपकी संतान शक्तिशाली, बुद्धिमान, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mohit और Payal की जन्म राशि अग्नितत्व युक्त सिंह राशि है। इसके प्रभाव से दोनों में स्वभावगत समानताएं रहेंगी तथा एक दूसरे को समझने में पूर्णतया सफल होंगे। अतः इनका दाम्पत्य जीवन अच्छा रहेगा। इस प्रकार सुखी वैवाहिक जीवन की दृष्टि से मिलान उत्तम रहेगा।

Mohit और Payal दोनों की राशि का स्वामी सूर्य है। अतः इसके प्रभाव से इनके परस्पर संबंध मधुर रहेंगे। तथा एक दूसरे के प्रति स्नेह सहानुभूति एवं समर्पण का भाव रहेगा। ये परस्पर गुणों की मुक्त कंठ से प्रशंसा करेंगे एवं एक सच्चे मित्र की तरह कमियों की उपेक्षा करेंगे। इस प्रकार उत्तम सामंजस्य के कारण Mohit और Payal का दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा। साथ ही सम्मान एवं अस्तित्व के आधार पर एक दूसरे को पूर्ण सुख तथा सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे।

Mohit और Payal की जन्म राशियां परस्पर प्रथम प्रभाव भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट कहलाता है। इसके प्रभाव से इनका एक दूसरे के प्रति प्रबल आकर्षण रहेगा तथा Mohit और Payal दोनों अपने क्षेत्र में योग्य तथा प्रसिद्ध रहेंगे। साथ ही स्वाभाविक प्रवृतियों में भी समानता का भाव रहेगा जिससे विवाद मतभेद्ध या विरोध आदि के अत्यंत कम क्षण आएंगे अन्यथा Mohit और Payal प्रसन्नता पूर्वक दाम्पत्य जीवन का उपभोग करेंगे।

Mohit और Payal दोनों का वश्य वनचर है । अतः इसके प्रभाव से इनकी अभिरूचियों में अनुकूलता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं भी समान होंगी फलतः दाम्पत्य संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे।

Mohit और Payal दोनों का वर्ण क्षत्रिय है। अतः स्वभाव से दोनों पराक्रमी एवं साहसी होंगे तथा साहसिक कार्यो को सम्पन्न करने में प्रवृत रहेंगे। फलतः कार्य क्षेत्र की स्थिति सुदृढ़ रहेगी।

धन

Mohit का जन्म अतिमित्र तथा Payal का सम्पत नामक तारा में हुआ है। इसके प्रभाव से Payal एक धनवान तथा भाग्यशाली महिला होंगी तथा Payal के शुभ प्रभाव से उनकी आर्थिक स्थिति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर सम रहेगा। अतः स्वपरिश्रम से ही इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही मंगल का भी कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार Mohit और Payal आरामदायक जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

Mohit और Payal को लाटरी, सट्टे या अन्य स्रोतों से अनायास धन प्राप्ति की

संभावना होगी। साथ ही विभिन्न प्रकार के भौतिक संसाधनों का वे उपभोग करने में सफलता प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त वे जायदाद तथा आभूषण आदि को भी अर्जित करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

Mohit अन्त्य तथा Payal का जन्म मध्य नाड़ी में हुआ है। अतः नाड़ी दोष का इन पर कोई प्रभाव नहीं रहेगा तथा जीवन में गभीर खतरों से ये सुरक्षित रहेंगे। लेकिन मंगल का Mohit और Payal दोनों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव रहेगा जिससे दोनों धातु या गुप्त संबधी रोगों से परेशानी की अनुभूति कर सकते है। साथ ही Mohit की संभोग शक्ति में शिथिलता एवं हृदय संबंधी रोग भी उत्पन्न हो सकता है। उन्हें मूत्र संबंधी कष्ट की भी उन्हें प्राप्ति होगी जिससे दाम्पत्य जीवन में अनावश्यक कलह तथा अशांति होगी। अतः इसके प्रभाव को कम करने के लिए Mohit और Payal को हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी रखने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mohit और Payal का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mohit और Payal के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Payal के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Payal को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Payal को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mohit और Payal सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mohit और Payal का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Payal के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद Payal अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से Payal पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Payal अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

Mohit के अपनी सास से सामान्य संबध रहेंगे। वह अपनी ओर से उन्हें पूर्ण आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा के प्रति भी तत्पर रहेंगे। इनके मध्य कोई विशेष मतभेद नहीं रहेंगे तथा Mohit अवसरानुकूल सपत्नीक से मिलने जाया करेंगे जिससे संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी।

ससुर के प्रति भी Mohit का आदर तथा सेवा का भाव रहेगा तथा वे भी इनको पूर्ण स्नेह तथा सहानुभूति प्रदान करेंगे साथ ही ससुर भी समय समय पर महत्वपूर्ण मामलों में Mohit का दिग्दर्शन करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों के साथ संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मतभेद एवं तनाव की बहुलता रहेगी। साथ ही एक दूसरे के प्रति प्रतिद्वन्दिता तथा ईर्ष्या का भी भाव रहेगा। लेकिन यदि Mohit तथा वे आपस में सामंजस्य रखें तो संबधों में अनुकूलता आ सकती है। इस प्रकार ससुराल में Mohit के संबध सामान्यतया अच्छे ही रहेंगे।